



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 380] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 3, 1993/कार्तिक 12, 1915
No. 380] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 3, 1993/KARTIKA 12, 1915

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1993

सा.का.नि. 684(अ).—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 7 की उपधारा (1) और धारा 36 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार तत्कालीन गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं. 56-3/49-II-एन दिनांक 30 दिसम्बर, 1952 के अधिक्रमण में केन्द्र सरकार इस प्रकार के अधिक्रमण से पहले की गई अथवा नहीं की गई वस्तुओं के अलावा केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अपने नियंत्रण के अधधीन अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह संघ राज्य क्षेत्र में स्थित सभी पत्तनों के संबंध

में सही देय-राशिवा, गुल्क अथवा उपर्युक्त अधिनियम के अंतर्गत प्राधिकृत अन्य प्रभारों को प्रान्त करने, उपर्युक्त अधिनियम द्वारा प्राधिकृत किसी भी वस्तु में संबंधित आय को खर्च करने के लिए, पत्तन प्रबंध बोर्ड को पत्तना के संरक्षक के रूप में नियुक्त करना है।

[फा. नं. पोआर-11013/1/92-पीजी]

अशोक जोशी, सयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd November, 1993

G.S.R. 684(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 and sub-section (1) of section 36 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Government of India then in the Ministry of Home Affairs number 56-3/49-II. AN dated the 30th December, 1952 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the Port Management Board as Conservator of the Ports in respect of the ports in the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands to receive all dues, fees or other charges authorised to be taken by or under the said Act and, subject to the control of the Central Government, to expend the receipts on any of the objects authorised by the said Act.

[F. No. PR-11013/1/92-PG]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.